रजिस्त	टर्ड डाक ए.डी. द्वारा
	आयुक्त (अपील - II) का कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सैन्टल एक्साइज भवन, सातवीं मंजिल, पौलिटैक्नीक के पास, आंबावाडी, अहमदाबाद— 380015.
==== क ख	फाइल संख्या : File No : V2(ST) 10/RA/A-II/2016-17 / VS / US / अपील आदेश संख्या Order-In-Appeal No. <u>AHM-SVTAX-000-APP-0266-16-17</u>
	दिनाँक Date : 29.03.2017 जारी करने की तारीख Date of Issue <u>7/4/17</u>
	<u>श्री उमा शंकर</u> ,, आयुक्त (अपील-II) द्वारा पारित
	Passed by <u>Shri Uma Shanker</u> Commissioner (Appeals-II)
чľ	आयुक्त सेवाकर अहमदाबाद : आयुक्तालय द्वारा जारी मूल आदेश सं दिनाँक : से सृजित
	Arising out of Order-in-Original No. <u>STC/REF/144/HCV/IQR/Div-III/15-16</u> Date : <u>15.02.2016</u> Issued by Asst Commr Div-III STC Abad, Service Tax, Ahmedabad
भ	<u> प्रतिवादी का नाम / Name & Address of the Respondent</u> M/s. IQR Consulting Pvt Ltd Ahmedabad, Ahmedabad
Anv	पील आदेश से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति उचित प्राधिकारी को अपील निम्नलिखित प्रकार से कर सकता है: person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate ority in the following way :-
Appe	शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील: eal To Customs Central Excise And Service Tax Appellate Tribunal :- अधिनियम,1994 की धारा 86 के अंतर्गत अपील को निम्न के पास की जा सकती:
Und	er Section 86 of the Finance Act 1994 an appear lies to
मेधाणी The (CE	ा क्षेत्रीय पीठ सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण ओ. 20, न्यू मैन्टल हास्पिटल कम्पाउण्ड, ा नगर, अहमदाबाद–380016 West Regional Bench of Customs, Excise, Service Tax Appellate Tribunal STAT) at O-20, Meghani Nagar, New Mental Hospital Compound, Ahmedabad – 016.
विरूद स्थान से रेख कम हे लाख जर्मान	अपीलीय न्यायाधिकरण को वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 86 (1) के अंतर्गत अपील सेवाकर नियमावली, 1994 यम 9 (1) के अंतर्गत निर्धारित फार्म एस.टी— 5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के द अपील की गई हो उसकी प्रतियाँ भेजी जानी चाहिए (उनमें से एक प्रमाणित प्रति होगी) और साथ में जिस में न्यायाधिकरण का न्यायपीठ स्थित है, वहाँ के नामित सार्वजनिक क्षेत्र बैंक के न्यायपीठ के सहायक रजिस्ट्रार के नाम में न्यायाधिकरण का न्यायपीठ स्थित है, वहाँ के नामित सार्वजनिक क्षेत्र बैंक के न्यायपीठ के सहायक रजिस्ट्रार के नाम है वहां रूपए 1000/— फीस भेजनी होगी। जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे बाठित बैंक ड्राफ्ट के रूप में जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे है वहां रूपए 1000/— फीस भेजनी होगी। जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 वा 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/— फीस भेजनी होगी। जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्वतन व हो तो रूपए क्र प्राया है वहां रूपए 10000/— फीस भेजनी होगी। स्टे के लिऐ आवेदन— पत्र के साथ 500/— फीस भेजनी होगी।
के नि बिरूद्ध स्थान से रेस लाख जुर्मान रूपए (ii) App Rul ord acc der ser exc der bar	अपीलीय न्यायाधिकरण को वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 86 (1) के अंतर्गत अपील सेवाकर नियमावली, 1994 यम 9 (1) के अंतर्गत निर्धारित फार्म एस.टी— 5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के द अपील की गई हो उसकी प्रतियाँ भेजी जानी चाहिए (उनमें से एक प्रमाणित प्रति होगी) और साथ में जिस में न्यायाधिकरण का न्यायपीठ स्थित है, वहाँ के नामित सार्वजनिक क्षेत्र बैंक के न्यायपीठ के सहायक रजिस्ट्रार के नाम बांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे है वहां रूपए 1000/— फीस भेजनी होगी। जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/— फीस भेजनी होगी। जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया ज रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपए 1000/— फीस भेजनी होगी। स्टे के लिऐ आवेदन— पत्र के साथ

:: 2 :: वित्तीय अधिनियम,1994 की धारा ८६ की उप–धाराओं एवं (२ए) के अंतर्गत अपील सेवाकर नियमावली, 1994 के नियम 9 (२ए) के अंतर्गत निर्धारित फार्भ एस.टी.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ (iii) आगुक्त,, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) के आदेश की प्रतियाँ (OIA)(उसमें से प्रमाणित प्रति होगी) और अपर आयुक्त, सहायक 🖌 उप आयुक्त अथवा A219k केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन करने के निदेश देते हुए आदेश (OIO) की प्रति भेजनी होगी।

The appeal under sub section (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be (iii) filed in Form ST-7 as prescribed under Rule 9 (2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise (Appeals)(OIA)(one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Addl. / Joint or Dy. Asstt. Commissioner or Superintendent of Central Excise & Service Tax (OIO) to apply to the Appellate Tribunal.

थथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, १९७५ की शर्तो पर अनुसूची−1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार भूल आदेश एवं स्थगन प्राधिकारी के आदेश की प्रति पर रू 6.50/- पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudication authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्यविधि) नियमावली, १९८२ में चर्चित एवं अन्य संयंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सीस्तेत) के प्रति अपीलों के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, १९४४ की धारा ३५फ के अंतर्गत वित्तीय(संख्या-२) अधिनियम २०१४(२०१४ की संख्या २५) दिलांक: ०६.०८.२०१४ जो की वित्तीय अधिनियम, १९९४ की धारा ८३ के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, द्वारा निश्चित की गई पूर्व-राशि जमा करना अनिवार्य है, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत " माँग किए गए शुल्क " में निम्न शामिल है –

- धारा 11 डी के अंतर्गत निर्धारित रकग (i)
- सेनवेंट जमा की ली गई गलत राशि (ii)
- सेनवैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम (iii)

🚓 आगे बशतें यह कि इस धारा के प्रावधान वितीय (सं. 2) अधिनियम, 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपोलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्ज़ी एवं आपील को लागू नहीं होगे।

For an appeal to be filed before the CESTAT, it is mandatory to pre-deposit an amount specified under the Finance (No. 2) Act, 2014 (No. 25 of 2014) dated 06.08.2014, under section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under section 83 of the Finance Act, 1994 provided the amount of pre-deposit payable would be subject to ceiling of Rs. Ten Crores,

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- amount determined under Section 11 D; (i)
- amount of erroneous Cenval Credit taken; (ii)
- amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules. (iii)
- ➡ Provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

इस संदर्भ में, इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड 4(1) विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute.



ORDER-IN-APPEAL

The Deputy Commissioner, Service Tax, Division-III, Ahmedabad (hereinafter referred to as 'the appellant'), has filed the present appeal against the Order-In-Original number STC/Ref/144/HCV/IQR/Div-III/15-16 dated 15.02.2016 (hereinafter referred to as 'the impugned order') passed in the matter of refund claim filed by M/s IQR Consulting Private Ltd, Ahmedabad (herein after referred to as 'the Deputy Commissioners of Service Tax, Division-III, Ahmedabad (hereinafter referred to as 'the adjudicating authority').

2. The fact of the case, in brief is, respondent is exporter and availing benefit of Notification No 27/2012-CE (NT) dated 18.06.2012 for refund of unutilized CENVAT Credit. The respondent had filed refund claim of ₹80,092/- along with required documents. The adjudicating authority vide the impugned order sanctioned the refund claim of ₹77,683/- and rejected the refund claim of ₹2,409/- as per the conditions laid down in the Notification number 27/2012- CE (NT) dated 18.06.2012.

3. The said impugned order was reviewed by the Principal Commissioner of Service Tax, Ahmedabad vide review order no 08/2015-16 dated 13.05.2016 for filling appeals under section 84(1) of the finance act 1994 on the ground that adjudicating authority has wrongly sanctioned the refund claim of ₹ 1,869/- out of the total refund sanctioned amount of ₹77,683/- on the ground that adjudicating authority has granted excess refund claim.

4. Personal hearing in the matter was granted to the respondent on 13.01.2017 and 21.02.2017, which was attended by their authorized representative. The authorized signatory submitted that they will have comply the query regarding payment traceable within two days. The reply of the respondent was received in this office on 01.03.2017.

5. I have carefully gone through the facts of the case on records, grounds of the appeal, and written submission put forth by the respondent. Looking to the facts of the case, I proceed to decide the case on merits.

6. In the present case, I find that the respondent has filed a refund claim of $\overline{\mathbf{T}}$ 80,092/- along with required documents. The adjudicating authority vide the impugned order sanctioned the refund claim of $\overline{\mathbf{T}}$ 77,683/- and rejected the refund claim of $\overline{\mathbf{T}}$ 2,409/-. The appellant has proposed to be deny the refund of $\overline{\mathbf{T}}$ 1,869/- on the ground that adjudicating authority has granted excess refund claim.

The respondent vide letter dated 01.03.2017 submitted the invoice of M/s Electromech Corporation bearing invoice no EMC/261 dated 07.11.2014 involving service tax of ₹4,944/-. They also submitted the Bank Statement as well ledger account for the period showing payment of said invoice. The issue is respondent have made advance payment of ₹12,500/- to M/s Electromech Corporation. Attended the test of the payment after deducting the TDS

V2 (ST) 10/RA/A-II/2016-17

After making the payment they have filed the refund claim as per reversed charge mechanism. Therefore no excess refund is granted by the adjudicating authority. The allegation of the department is not sustainable.

4

7. Thus, in view of discussion in paragraph 6 above and in the fitness of things, it would be just and proper to reject the appeal filed by the revenue.

8. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपीलो का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

8. The appeals filed by the appellant stand disposed off in above terms.

3mgin

(उमा शंकर) आयुक्त (अपील्स **- II)** CENTRAL EXCISE, AHMEDABAD.

ATTESTED

SUPERINTENDENT (APPEAL-II), CENTRAL EXCISE, AHMEDABAD.

To, M/s IQR Consulting Private Ltd, Shitalbaug Society, 8-A, Nr Sonal Hospital, Paldi, Ahmedabad.

Copy To:-

1. The Chief Commissioner, Central Excise, Ahmedabad zone, Ahmedabad.

- 2. The Commissioner, Service Tax, Ahmedabad.
- 3. The Dy./Assistant Commissioner, Service Tax, Division-III, Ahmedabad.
- 4. The Assistant Commissioner(Systems), Service Tax,, Ahmedabad
- 5. Guard File.
- 6. P.A. File.

